चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि. भूमि....

दिनांक ...3.9.2019... पृष्ठ सं. ....16.... कॉलम ...2-8...

हकृवि में गुरुनानक देव प्रकाशोत्सव पर किसान संगोष्ठी का आयोजन

गुरुनानक देव महान संत व समाज सुधारक थे : प्रो. सिंह

- कार्यक्रम में पहुंचे प्रदेशभर से करीब 1500 किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में सोमवार को गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य पर किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए 1500 के लगभग किसान शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में हकृवि कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने दीप प्रजवलित कर किसान संगोष्ठी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा किसान आयोग के अध्यक्ष डॉ. रमेश यादव ने की। विशिष्ठ अतिथियों के रूप में उद्यान विभाग के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह सैनी, कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलवात, उद्यान विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जोगेन्द्र घनघस उपस्थित थे। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि गुरुनानक देव महान संत व समाज सुधारक थे। उन्होंने जात-पात व आडबंरों का विरोध कर लोगों में भाईचारा व प्रेम कायम किया। उनके द्वारा शुरू की गई लंगर सेवा में सभी लोग एक समान थे। यही नहीं गुरुनानक देव गरीब, भूखे, अहसाय लोगों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते थे और दूसरों को भी यह कार्य करने का संदेश देते थे।

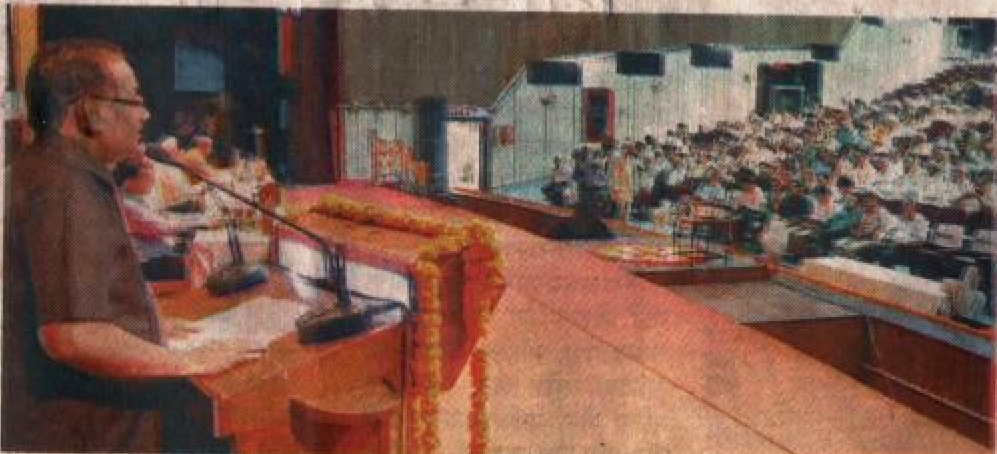

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. केपी सिंह। फोटो : हरिभूमि

2022 तक किसानों की आय को दोगुणा करने का लक्ष्य : यादव

इस मौके पर हरियाणा किसान आयोग के अध्यक्ष डॉ. रमेश यादव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2022 तक किसानों की आय को दोगुणा करना है। दिल्ली हरियाणा प्रदेश के निकट है, इसलिए किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए इसका भरपूर लाभ उठाना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि जल संरक्षण को लेकर केन्द्र व प्रदेश सरकार गंभीर है। इसी के मद्देनजर जल संरक्षण की भूमिका में रेवाड़ी जिले ने प्रथम स्थान हासिल किया है।

किसान मिश्रित खेती कर बढ़ा सकते आमदनी : डॉ. गहलावत

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने कहा कि उन्हें धान, गेहूं के अलावा मिश्रित खेती करनी चाहिए ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। उन्होंने कहा कि किसान को खेती के साथ साथ पशुपालन व्यवसाय भी करना चाहिए। इसके अलावा फसल की लागत को कम करने के लिए किसान को डायरेक्ट मार्केटिंग करनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक भास्कर......

दिनांक ...3.9.2019... पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...1-6...

एचएयू • गुरुनानक देवजी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य पर आयोजित किसान संगोष्ठी में 1500 किसानों ने लिया हिस्सा

हरित क्रांति पर बात चाहे कोई भी करे मगर वैज्ञानिकों और किसानों ने हर दिन 20 घंटे काम कर लोगों का पेट भरने का किया था इंतजाम : प्रो. सिंह

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू के इंदिरा गांधी सभागार में सोमवार को गुरुनानक देवजी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य पर किसान संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें प्रदेशभर से आए 1500 किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि देश में कई लोग हरित क्रांति पर बड़ी-बड़ी बात करते हैं मगर असल मायने में हरित क्रांति यूंही नहीं आई, इसे लाने में सिर्फ किसानों और वैज्ञानिकों का ही बड़ा योगदान है। अगर वैज्ञानिक रिसर्च कर उत्तर फसलें न तैयार करते तो किसान खेतों में क्या करता, और किसानों ने तो जब देश में लोग सो रहे होते हैं तब खेतों 20-20 घंटे काम किया। उन्होंने अपने खून से जमीन को सींचकर देश में बहुतायात में अन्न उगाकर लोगों का पेट भरा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान आयोग के चेयरमैन डॉ. रमेश यादव ने की। इस दौरान उद्यान विभाग के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह सैनी, कृषि विभाग के अति. निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत उपस्थित रहे।

एचएयू के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में किसानों को संबोधित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह।

दिल्ली को देखकर किसान करें तैयारी : किसान आयोग के अध्यक्ष डॉ. रमेश यादव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2022 तक किसानों की आय को दोगुणा करना है। दिल्ली हरियाणा प्रदेश के निकट है, इसलिए किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए इसका भरपूर लाभ उठाना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि जल संरक्षण को लेकर केन्द्र व प्रदेश सरकार गंभीर है। इसी के मद्देनजर जल संरक्षण की भूमिका में रेवाड़ी जिले ने प्रथम स्थान हासिल किया है। किसानों को पानी की बचत एवं अधिक पैदावार लेने के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली को अपनाना चाहिए।

किसान मिश्रित खेती कर बढ़ा सकते हैं आमदनी

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने कहा कि उन्हें धान, गेहूं के अलावा मिश्रित खेती करनी चाहिए, ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। खेती के साथ साथ पशुपालन व्यवसाय भी करना चाहिए। इसके अलावा फसल की लागत को कम करने के लिए किसान को डायरेक्ट मार्केटिंग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वेल्यू एडीशन पैकेजिंग ब्रांडिंग एग्री सर्विस व एकीकृत खेती से किसान अपनी आय को बढ़ा सकते हैं।

मछली पालन भी दे सकता है अच्छा मुनाफा

मछली पालन विभाग से ईश्वर सिंह ने कहा कि मछली पालन कर किसान अच्छी आमदनी ले सकते हैं। विभाग तालाब बनाने व मछली के बीज के लिए किसानों की मदद भी करता है। छोटा किसान या भूमिहीन किसान भी यह कार्य कर सकता है। मछलियों की विभिन्न प्रकार प्रजातियों की मांग पहले से अधिक बढ़ी है। कोई भी व्यक्ति गांव में तालाब बनाकर यह पट्टे पर लेकर यह कार्य आसनी से कर सकता है। इसके लिए मछली विभाग किसानों एवं बेरोजगार लोगों को निःशुल्क प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक जागरण........

दिनांक 3.9.2019 पृष्ठ सं. ...15... कॉलम ...1-5...

दिए टिप्स एचएयू में किसान संगोष्ठी में किसानों को एक्सपर्ट ने दिए कम लागत में अधिक कमाई करने के टिप्स

लागत कम करने के लिए डायरेक्ट मार्केटिंग करें किसान

जागरण संवाददाता, हिसार: किसानों को धान, गेहूं के अलावा मिश्रित खेती करनी चाहिए। खेती के साथ-साथ पशुपालन व्यवसाय करना चाहिए। वहीं फसल की लागत को कम करने के लिए किसान को डायरेक्ट मार्केटिंग करनी चाहिए। यह जानकारी कृषि विभाग में अतिरिक्त निदेशक डा. सुरेश गहलवात ने दी। वह एचएयू के इंदिरा गांधी सभागार में सोमवार को गुरुनानक देव जी के प्रकाशोत्सव पर आयोजित किसान संगोष्ठी में उपस्थित हुए थे। इस संगोष्ठी में प्रदेश से करीब 1500 किसान शामिल हुए। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. केपी सिंह रहे। अध्यक्षता डा. रमेश यादव, अध्यक्ष हरियाणा किसान आयोग ने की। विशिष्ट अतिथियों में डा. अर्जुन सिंह सैनी, महानिदेशक, उद्यान विभाग, डा. सुरेश गहलवात, अतिरिक्त निदेशक, कृषि विभाग, डा. जोगेन्द्र घनघस, संयुक्त निदेशक, उद्यान विभाग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ उपस्थित होने थे, लेकिन किसी कारणवश वो कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाए।

सरकारी स्कीमों की दी जानकारी: डॉ. सुरेश ने कहा कि वेल्यू एडीशन पैकेजिंग ब्रांडिंग एग्रीसर्विस व एकीक्रित खेती से किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। डा. गहलावत ने किसानों को विभाग की स्कीमों जैसे राष्ट्रीय खाद सुरक्षा मिशन, आरकेवाई, एनएमएसए, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मृदा स्वस्थ कार्ड योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, फसल अवशेष प्रबंधन योजना, प्रधानमंत्री किसान समान निधि योजना, कपास संवर्धन के लिए राज्य योजना के बारे में जानकारी दी।

दिल्ली के निकट होने का उठाए फायदा: कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी एक महान संत व समाज सुधारक थे। हरियाणा किसान आयोग के अध्यक्ष डॉ. रमेश यादव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2022 तक किसानों की आय को दोगुणा करना है। दिल्ली, हरियाणा के निकट है, इसलिए किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए इसका भरपूर लाभ उठाना चाहिए। वहीं जल संरक्षण पर ध्यान दे, रेवाड़ी जिले ने इसमें प्रथम स्थान हासिल किया है।

फसलों के उत्पाद बेचकर कर सकते है कमाई: डॉ. सुनील पारिख ने बताया कि किसानों को मंडियों में फल एवं सब्जियों को बेचने के साथ-साथ उन फसलों का तोड़ाई उत्पाद प्रबंधन करके उनके उत्पाद बनाकर बाजार में बेचना चाहिए।

मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. केपी व अन्य अधिकारीगण।

मछली पालन भी किसानों को दे सकती है अच्छा मुनाफा

ईश्वर सिंह मछली पालन विभाग, हरियाणा ने बताया कि मछली पालन कर किसान अच्छी आमदनी ले सकते है। कोई भी व्यक्ति गांव में तालाब बनाकर पट्टे पर जमीन लेकर यह कार्य आसानी से कर सकता है। इसके लिए मछली विभाग किसानों एव बेरोजगार लोगों को निशुल्क प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाता है।

बागवानी से करें कमाई

विभाग के डॉ. पवन कुमार, उपनिदेशक ने किसानों को बागवानी के सेंटरों व उन पर दी जाने वाली सुविधाओं बारे बताया। उन्होंने कहा किसानों को अधिक से अधिक बागवानी फसलों की खेती करनी चाहिए।

व्यापार संघ से जुड़े किसान

डा. परस राम शर्मा, उद्यान निदेशालय, पंचकूला ने किसानों को लघु कृषक व्यापार संघ के बारे में जानकारी दी। डॉ. शर्मा ने कहा कि अधिक से अधिक किसानों को ऐसे संगठनों से जुड़कर खेती करनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....

दिनांक ....3.9.2019.... पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....3-4....

गुरु नानक देव एक महान संत व समाज सुधारक थे : प्रो. सिंह

हिसार, 2 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के इंदिरा गांधी सभागार में गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य पर किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए 1500 के लगभग किसान शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किसान संगोष्ठी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. रमेश यादव, अध्यक्ष हरियाणा किसान आयोग ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में डा. अर्जुन सिंह सैनी, महानिदेशक, उद्यान विभाग, डा. सुरेश गहलवात, अतिरिक्त निदेशक, कृषि विभाग, डा. जोगेन्द्र घनघस, संयुक्त निदेशक, उद्यान विभाग मंच पर उपस्थित थे। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी एक महान संत व समाज सुधारक थे। उन्होंने जात-पात व आडंबरों का विरोध कर लोगों में भाईचारा व प्रेम कायम किया। उनके द्वारा शुरू की गई लंगर सेवा में सभी लोग एक समान थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बी.आर कम्बोज, डा. महेन्द्र सिंह, डा. बिल्लु यादव, डा. आत्म प्रकाश उपनिदेशक, बागवानी विभाग व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यातिथि कुलपति प्रो. के.पी. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक जागरण........

दिनांक ...3.9.2019... पृष्ठ सं. ...18... कॉलम ...1-4...

निरीक्षण स्वच्छता रैंकिंग की एक टीम ने विश्वविद्यालय का किया दौरा

टीम ने एचएयू में सफाई प्रबंधन का लिया जायजा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारत सरकार के अंतर्गत एमएचआरडी की उच्च शिक्षण संस्थानों के स्वच्छता मूल्यांकन के लिए स्वच्छता रैंकिंग की एक टीम ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। टीम ने कालेजों, लाइब्रेरी, हॉस्टल, कैंपस अस्पताल, गिरि सेंटर, जल उपचार संयंत्र, बायोगैस संयंत्र, एचएयू मार्ट, एबिक सेंटर आदि सहित परिसर के विभिन्न स्थानों का दौरा किया। स्वच्छता रैंकिंग के विभिन्न पूर्वनिर्धारित 14 मापदंडों के आधार पर स्वच्छता का निरीक्षण किया।

स्वच्छता रैंकिंग टीम सुबह विश्वविद्यालय पहुंची और कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर चर्चा के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान स्वच्छता टीम को विश्वविद्यालय में आयोजित की गई विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों से संबंधित एक डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। टीम ने परिसर की विभिन्न इकाईयों का निरीक्षण करने से पहले बैठक में स्वच्छता मापदंडों के बारे में कई प्रश्न पूछे और जानकारी ली। टीम ने विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय से अपने दौरे की शुरूआत की।

स्वच्छता टीम विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते हुए। ● जागरण

टीम ने कालेज ऑफ एग्रीकल्चर की ओर रुख किया। जहां उन्होंने एनएसएस के नोडल ऑफिसर और वॉलेंटियर्स से बातचीत की। कालेज ऑफ एग्रीकल्चर से टीम ने विश्वविद्यालय के छात्रावासों का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने छात्रों के साथ उनकी मैस में भोजन किया। दोपहर बाद टीम ने कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, टेस्टिंग सेंटर, सेंटर ऑफ ऑर्गेनिक फार्मिंग, इनोवेशन सेंटर, कॉलेज ऑफ होम साइंस, कैंपस अस्पताल, शॉपिंग सेंटर व एबिक सेंटर का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय की सभी इमारतों में उचित स्वच्छता, मशीनीकृत सफाई प्रणाली की उपलब्धता एवं उपयोग, स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक वस्तुओं और उपकरणों की उपलब्धता और उपयोग के मापदण्डों की जांच की गई। सभी इकाइयों और छात्रावासों की कैंटीन और रसोइयों का निरीक्षण खाना पकाने, ड्रेस कोड, उचित हाईजीन मैंटेनेंस, आदि के लिए स्वचालित उपकरणों को अपनाने के संदर्भ में दौरा किया।

14 मापदंडों के आधार पर स्वच्छता का किया निरीक्षण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....

दिनांक 3. 9. 2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....1-6....

स्वच्छता टीम का दौरा • 14 मापदंडों के आधार पर निरीक्षण किया, इस दौरान स्वच्छता कार्यों की डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई

एचएयू की कैंटीन, हॉस्टल में खाने की गुणवत्ता और स्वच्छता परखी

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को एमएचआरडी की उच्च शिक्षण संस्थानों के स्वच्छता मूल्यांकन के लिए स्वच्छता रैंकिंग की एक टीम ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। टीम ने कॉलेजों, लाइब्रेरी, हॉस्टल, कैम्पस अस्पताल, गिरि सेंटर, जल उपचार संयंत्र, बायोगैस संयंत्र, एचएयू मार्ट, एबिक सेंटर आदि सहित परिसर के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और स्वच्छता रैंकिंग के विभिन्न पूर्वनिर्धारित 14 मापदंडों के आधार पर स्वच्छता का निरीक्षण किया।

इस दौरान टीम में शामिल सदस्यों ने कुलपति प्रो. केपी सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ कुलपति के कार्यालय में स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर चर्चा के लिए एक बैठक की गई। बैठक के दौरान स्वच्छता टीम को विश्वविद्यालय में आयोजित की गई विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों से संबंधित एक डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। टीम ने परिसर की विभिन्न इकाईयों का निरीक्षण करने से पहले बैठक में स्वच्छता मापदंडों के बारे में कई प्रश्न पूछे और स्पष्टीकरण लिए।

सोमवार को एचएयू में स्वच्छता मीटिंग के दौरान कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य पदाधिकारी।

एचएयू में स्वच्छता टीम निरीक्षण करते हुए।

जानिए... विश्वविद्यालय कैम्पस में टीम ने कहां-कहां किया दौरा

- टीम ने विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय से अपने दौरे की शुरुआत की तथा पुस्तकालय के सभी सेक्शनों का दौरा किया। इसके बाद टीम ने विश्वविद्यालय के वाटर प्यूरीफिकेशन यूनिट का दौरा किया।
- टीम ने कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर की ओर रुख किया जहां उन्होंने एनएसएस के नोडल ऑफिसर तथा वॉलेंटियर से बातचीत की व उनसे गतवर्ष के दौरान आयोजित स्वच्छता संबंधित गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।
- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से टीम ने विश्वविद्यालय के छात्रावासों का निरीक्षण किया जहां उन्होंने छात्रों के साथ मैस में भोजन किया।
- दोपहर के बाद टीम ने कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, टेस्टिंग सेंटर, सेंटर ऑफ ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग,एआईसीआरआईपीएस, इनोवेशन सेंटर, कॉलेज ऑफ होम साइंस, कैंपस अस्पताल, शॉपिंग सेंटर व एबिक सेंटर आदि का निरीक्षण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....

दिनांक 3.9.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-5

स्वच्छता रैंकिंग की टीम ने किया चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दौरा

14 मापदंडों के आधार पर किया स्वच्छता का निरीक्षण

हिसार, 2 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भारत सरकार के अंतर्गत एम.एच.आर.डी. की उच्च शिक्षण संस्थानों के स्वच्छता मूल्यांकन हेतु स्वच्छता रैंकिंग की एक टीम ने विश्वविद्यालय का दौरा किया।

टीम ने कालेजों, लाइब्रेरी, हॉस्टल, कैम्पस अस्पताल, गिरि केंद्र, जल उपचार संयंत्र, बायोगैस संयंत्र, एच.ए.यू. मार्ट, एबिक सैंटर आदि सहित परिसर के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और स्वच्छता रैंकिंग के विभिन्न पूर्वनिर्धारित 14 मापदंडों के आधार पर स्वच्छता का निरीक्षण किया। स्वच्छता रैंकिंग टीम सुबह विश्वविद्यालय पहुंची तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ कुलपति के कार्यालय में स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर चर्चा के लिए एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान स्वच्छता टीम को विश्विद्यालय में आयोजित की गई विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों से संबंधित एक डाक्यूमैंट्री फिल्म दिखाई गई। टीम ने परिसर की विभिन्न इकाईयों का निरीक्षण करने से पहले बैठक में स्वच्छता मापदंडों के बारे में कई प्रश्न पूछे और स्पष्टिकरण लिए।

टीम ने विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय से अपने दौरे की शुरूआत की तथा पुस्तकालय के सभी सैक्शनों का दौरा किया।

इस उपरांत टीम ने विश्वविद्यालय के वाटर प्यूरीफिकेशन यूनिट का दौरा किया। टीम ने कालेज ऑफ एग्रीकल्चर की ओर रुख किया जहां

स्वच्छता टीम विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते हुए।

उन्होंने एन.एस.एस. के नोडल ऑफिसर तथा वालिंटियर्स से बातचीत की व उनसे गत वर्ष के दौरान आयोजित स्वच्छता संबंधित गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। कालेज ऑफ एग्रीकल्चर से टीम ने विश्वविद्यालय के छात्रावासों का निरीक्षण किया जह उन्होंने छात्रों के साथ उनकी मैस में भोजन किया।

दोपहर उपरांत टीम ने कालेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, टैस्टिंग सैंटर सैंटर ऑफ ऑर्गैनिक फार्मिंग ए.आई.सी.आर.आई.पी.एस., इनोवेशन सैंटर, कालेज ऑफ होम सांइस, कैंपस अस्पताल, शॉपिंग सैंटर व एबिक सैंट आदि का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय की सभी इमारतों में उचित स्वच्छता मशीनीकृत सफाई प्रणाली की उपलब्धता एवं उपयोग, ठोस और गील कचरा प्रबंधन प्रणाली, रासायनिक निपटान प्रणाली, ई-अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक वस्तुओं और उपकरणों की उपलब्धता और उपयोग के मापदंडों की जांच की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... हरि भूमि ....

दिनांक ...3.9.2019... पृष्ठ सं. ...13... कॉलम ...3-8...

स्वच्छता रैंकिंग की टीम ने हकृवि का किया दौरा

टीम ने किए कई प्रश्न, मांगा स्पष्टीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को भारत सरकार के अंतर्गत एमएचआरडी की उच्च शिक्षण संस्थानों के स्वच्छता मुल्यांकन के लिए स्वच्छता रैंकिंग की एक टीम ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। टीम ने कॉलेजों,

- टीम 14 मापदंडों के आधार पर करेगी स्वच्छता का निरीक्षण

लाइब्रेरी, हॉस्टल, कैम्पस अस्पताल, गिरी केंद्र, जल उपचार संयंत्र, बायोगैस संयंत्र, एचएयू मार्ट, एबिक सेंटर आदि सहित परिसर के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और स्वच्छता रैंकिंग के विभिन्न पूर्व निर्धारित 14 मापदंडों के आधार पर स्वच्छता का निरीक्षण किया।

कुलपति के साथ टीम ने की चर्चा

स्वच्छता रैंकिंग टीम सुबह विश्वविद्यालय पहुंची तथा कुलपति प्रो. के.पी सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ कुलपति के कार्यालय में स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर चर्चा के लिए बैठक हुई। बैठक के दौरान स्वच्छता टीम को विश्विद्यालय में आयोजित की गई विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों से संबंधित एक डाक्यूमैंट्री फिल्म दिखाई गई। टीम ने परिसर की विभिन्न इकाईयों का निरीक्षण करने से पहले बैठक में स्वच्छता मापदंडों के बारे में कई प्रश्न पूछे और स्पष्टीकरण लिए।

टीम ने पुस्तकालय से की दौरे की शुरुआत

टीम ने विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय से अपने दौरे की शुरुआत की तथा पुस्तकालय के सभी सेक्शनों का दौरा किया। इस उपरांत टीम ने विश्वविद्यालय के वाटर प्यूरीफिकेशन यूनिट का दौरा किया। टीम ने कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर की ओर रुख किया जहां उन्होंने एनएसएस के नोडल ऑफिसर तथा वोलेंटियरस से बातचीत की व उनसे गत वर्ष के दौरान आयोजित स्वच्छता संबंधित गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।

विश्वविद्यालय का निरीक्षण करती स्वच्छता टीम।

टीम ने छात्रों के साथ मैस में किया भोजन

कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से टीम ने विश्वविद्यालय के छात्रावासों का निरीक्षण किया जहां उन्होंने छात्रों के साथ उनकी मैस में भोजन किया। दोपहर उपरांत टीम ने कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, टेस्टिंग सेंटर, सेंटर ऑफ ऑर्गेनिक फार्मिंग, एआईसीआरआईपीएस, इनोवेशन सेंटर, कॉलेज ऑफ होम साइंस, कैंपस अस्पताल, शॉपिंग सेंटर तथा एबिक सेंटर आदि का निरीक्षण किया।

कचरा निपटाने की ली अपडेट

विश्वविद्यालय की सभी इमारतों में उचित स्वच्छता, मशीनीकृत सफाई प्रणाली की उपलब्धता एवं उपयोग, ठोस और गीला कचरा प्रबंधन प्रणाली, रासायनिक निपटान प्रणाली, ई-अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक वस्तुओं और उपकरणों की उपलब्धता और उपयोग के मापदंडों की जांच की गई। सभी इकाइयों और छात्रावासों की कैंटीन और रसोइयों का निरीक्षण खाना पकाने, ड्रेस कोड, उचित हाईजीन मैंटेनेंस, आदि के लिए स्वचालित उपकरणों को अपनाने के संदर्भ में किया। टीम को गत वर्ष विश्वविद्यालय में आयोजित स्वच्छता गतिविधियों से संबंधित वांछित दस्तावेज और तस्वीरें प्रदान की गईं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....
दिनांक 3.9.2019 पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....7-8....

गर्ल्स को सेनेटरी नैपकिन और हाईजीन के समझाए फायदे

एचएयू के कार्यक्रम को संबोधित करती डॉ. श्वेता लड्ढा।

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छात्र कल्याण विभाग ने गृह विज्ञान के ऑडिटोरियम में 'स्वस्थ बेटियां-स्वच्छ समाज' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य मासिक धर्म के दौरान होने वाली समस्याओं और उनके निदान पर बातचीत करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छात्र कल्याण विभाग की सहायक निदेशिका डॉ. मंजू मेहता थीं। उन्होंने कार्यशाला के शुरू में इस विषय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि यह समय की आवश्यकता है कि इस विषय पर महिलाएं अपनी चुप्पी तोड़ें और खुलकर बात करें। इस कार्यशाला का आयोजन ओएनजीसी की आर्थिक मदद से किया गया। ओएनजीसी ने विश्वविद्यालय की सभी छात्राओं के हॉस्टल में सेनेटरी वेंडिंग मशीन भी लगवाई है। वार्डस (वुमन, चिल्ड्रन वेलफेयर एवं सरल डिवेलपमेंट) की तरफ से डॉ. श्वेता लड्ढा ने एचएयू की छात्राओं को मासिक धर्म में सावधानियां बरतने और सफाई के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि आज भी लगभग 88 प्रतिशत महिलाएं सेनेटरी पैड का उपयोग नहीं करतीं जोकि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी है। इस कार्यक्रम में महिला छात्रावास की सभी वार्डन उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उर्वशी ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......हरि. भूमि......
दिनांक ...3.9.2019... पृष्ठ सं. ...16... कॉलम ...7-8...

88 प्रतिशत महिलाएं सेनेटरी पैड नहीं अपनाती : महता

हिसार। कार्यशाला में संबोधित करती वक्ता। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज >>| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छात्र कल्याण विभाग के तत्वाधान में गृह विज्ञान के ऑडिटोरियम में 'स्वच्छ बेटियां-स्वच्छ समाज' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य मासिक धर्म के दौरान होने वाली समस्याओं और उनके निदान पर बातचीत करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छात्र कल्याण विभाग की सहायक निदेशिका डॉ. मंजू महता थीं। उन्होंने कहा कि माहवारी विषय पर महिलाएं अपनी चुप्पी तोड़ें और खुलकर बात करें। इस कार्यशाला का आयोजन ओएनजीसी की आर्थिक मदद से किया गया। ओएनजीसी ने विश्वविद्यालय के सभी छात्राओं के हॉस्टल में सेनेटरी वेंडिंग मशीन भी लगवाई है। वुमन, चिल्ड्रन वेलफेयर एवं सरल डेवेलपमेंट (वाइस) की तरफ से डॉ. श्वेता लड्ढा ने हकृवि की छात्राओं को मासिक धर्म में सावधानियां बरतने और सफाई के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि आज भी लगभग 88 प्रतिशत महिलाएं सेनिटरी पैड का उपयोग नहीं करतीं जो कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी है। इस कार्यक्रम में महिला छात्रावास की सभी वार्डन उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उर्वशी ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला, दैनिक जागरण....
दिनांक ...3.9.2016... पृष्ठ सं. ...4, 12... कॉलम ...3, 3...

मासिक धर्म पर महिलाएं खुलकर करें बात : डॉ. मंजू

हिसार। हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के छात्र कल्याण विभाग की तरफ से होम साइंस कॉलेज के ऑडिटोरियम में 'स्वच्छ बेटियां-स्वच्छ समाज' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य मासिक धर्म के दौरान होने वाली समस्याओं और उनके निदान पर बातचीत करना था। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छात्र कल्याण विभाग की सहायक निदेशिका डॉ. मंजू महत्ता थी। उन्होंने कहा कि यह समय की आवश्यकता है कि इस विषय पर महिलाएं अपनी चुप्पी तोड़ें और खुलकर बात करें। इस कार्यशाला का आयोजन ओएनजीसी की आर्थिक मदद से किया गया। ओएनजीसी ने विश्वविद्यालय के सभी छात्राओं के हॉस्टल में सेनेटरी वैंडिंग मशीन भी लगवाई है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उर्वशी ने किया।

एचएयू की छात्राओं को मासिक धर्म में सावधानियां बरतने के दी सलाह

जासं, हिसार : कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छात्र कल्याण विभाग की तरफ से गृह विज्ञान के ऑडिटोरियम में 'स्वच्छ बेटियां-स्वच्छ समाज' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मासिक धर्म के दौरान होने वाली समस्याओं और उनके निदान के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डा. मंजू मेहता रही। कार्यशाला में इस विषय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि यह समय की आवश्यकता है कि इस विषय पर महिलाएं अपनी चुप्पी तोड़ें और खुलकर बात करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक जागरण........
दिनांक ...3.9.2019 पृष्ठ सं. ...13... कॉलम ...7-8...

एचएयू में अंतर-कालेज खेल प्रतियोगिता आज से

जागरण संवाददाता, हिसार : कृषि विश्वविद्यालय ने इस वर्ष का इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स कैलेंडर जारी किया है। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएंगी। स्पोर्ट्स कैलेंडर में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार को भी शामिल किया है। कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डा. डीएस दहिया ने बताया कि सभी चैंपियनशिप गिरी सेंटर परिसर में करवाई जाएंगी। छात्र कल्याण सह निदेशक (खेल) सुशील लेगा के अनुसार इंटर कॉलेज टूर्नामेंट के आधार पर इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप के लिए विश्वविद्यालय की टीमों का चयन किया जाएगा।

कैलेंडर के अनुसार यह रहेगा शेड्यूल

- पुरुष स्क्वाश - 3 सितंबर
- महिला व पुरुष वर्ग वॉलीबॉल - 4 से 6 सितंबर।
- महिला व पुरुष वर्ग टेबल टेनिस - 10 से 12 सितंबर।
- पुरुष कबड्डी - 16 से 18 सितंबर।
- महिला व पुरुष वर्ग बैडमिंटन - 19 से 21 सितंबर
- योगा पुरुष - 24 सितंबर
- योगा महिला - 25 सितम्बर
- पुरुष टेनिस - 26 व 27 सितम्बर
- क्रिकेट-1 से 5 अक्टूबर
- महिला व पुरुष वर्ग, बास्केटबॉल - 7 से 11 अक्टूबर
- हॉकी पुरुष - 14 अक्टूबर
- महिला व पुरुष वर्ग, हैंडबाल - 15 से 17 अक्टूबर
- पुरुष वर्ग की फुटबाल चैंपियनशिप - 21 से 23 अक्टूबर।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स............
दिनांक 2.9.2015 पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...7-8...

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने जारी किया इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स कैलेंडर

लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के खिलाड़ी भी ले सकेंगे भाग

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने इस वर्ष का इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स कैलेंडर जारी किया है जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। इस स्पोर्ट्स कैलेंडर में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) हिसार को भी शामिल किया गया है। स्पोर्ट्स कैलेंडर को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दहिया ने जारी करते हुए बताया कि सभी चैंपियनशिप गिरी सेंटर परिसर में करवाई जाएंगी। छात्र कल्याण सह निदेशक (खेल) सुशील लेगा के अनुसार इंटर कॉलेज टूर्नामेंट्स के आधार पर इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप के लिए विश्वविद्यालय की टीमों का चयन किया जाएगा।

जारी किए गए स्पोर्ट्स कैलेंडर के अनुसार पुरुष स्क्वाश 3 सितम्बर को, महिला व पुरुष वर्ग की वॉलीबाल 4 से 6 सितम्बर, महिला व पुरुष वर्ग की टेबल टेनिस 10 से 12 सितम्बर, पुरुष कबड्डी 16 से 18 सितम्बर, महिला व पुरुष वर्ग की बैडमिंटन 19 से 21 सितम्बर तक, योगा पुरुष 24 सितम्बर, योगा महिला 25 सितम्बर, पुरुष टेनिस 26 व 27 सितम्बर, क्रिकेट 1 से 5 अक्टूबर, महिला व पुरुष वर्ग की बास्केटबॉल 7 से 11 अक्टूबर तक, हॉकी पुरुष 14 अक्टूबर, महिला व पुरुष वर्ग की हैंडबाल 15 से 17 अक्टूबर तक तथा पुरुष वर्ग की फुटबाल चैंपियनशिप 21 से 23 अक्टूबर तक विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी।